समझदारी दिखाएँ!
अपने बच्चे का
सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएं

tOPV से bOPV स्विच फैक्टशीट

25 अप्रैल 2016

पोलियो मुक्त भारत • पोलियो मुक्त विश्व

स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मन्त्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

World Health Organization

unicef

Rotary

NATIONAL HEALTH MISSION

पोलियो टीकाकरण महत्वपूर्ण है

पोलियो एक गंभीर बीमारी है जो शरीर के किसी भी हिस्से, खासकर हाथों और पैरों को स्थायी रूप से अशक्त बना देती है और मौत की वजह भी बन सकती है। यह वायरस आमतौर पर 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है। पोलियो के वायरस को हराने का एक मात्र तरीका टीकाकरण के माध्यम से प्रतिरक्षण है।

पोलियो उन्मूलन में प्रगति

द ग्लोबल पोलियो इरैडिक्शन इनिशिएटिव (जी.पी.ई.आई.) की शुरुआत वर्ष 1988 में की गई थी। इसका उद्देश्य टीकाकरण अभियानों और नियमित टीकाकरण के ज़रिये इस बीमारी का उन्मूलन था। परिणामस्वरूप, विश्वभर में पोलियो के मामले 99 फीसदी से अधिक कम हो गए हैं।

भारत पोलियो मुक्त होने के 5 वर्ष मना रहा है

देश से पोलियो को जड़ से मिटाकर भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत में पोलियो का आखिरी केस 13 जनवरी 2011 को सामने आया था। तत्पश्चात् 27 मार्च 2014 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत को पोलियो मुक्त प्रमाणित किया। हमारा देश लगातार पिछले पांच वर्षों से पोलियो मुक्त है।

वैश्विक स्तर पर पोलियो उन्मूलन अभी पूरा नहीं हुआ है

जब तक विश्व के किसी भी देश में पोलियो का संक्रमण मौजूद है, तब तक पोलियो फिर से हमारे देश में लौट सकता है। पड़ोसी देश अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान – दुनिया के ऐसे दो देश हैं जहाँ पोलियो के केस मौजूद हैं। इन देशों से अभी भी पोलियो वायरस फैलने की सम्भावना है। भारत में नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों में लगातार उच्च संवेदनशील पोलियो वायरस की निगरानी और टीकाकरण का काम जारी है ताकि पोलियो वायरस के जोखिम को कम किया जा सके। डबल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, नवंबर 2015 से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में इनएक्टिवेटेड पोलियोवायरस वैक्सिन की कम–से–कम एक खुराक को शामिल किया गया है।

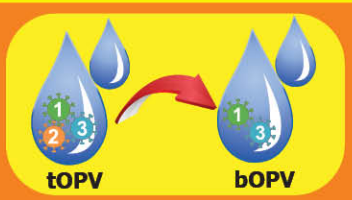

स्विच क्या है ?

वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे ट्राइवैलेंट ओरल पोलियो वैक्सीन (tOPV) में सभी तीन प्रकार के निशक्त पोलियो वायरस (टाइप 1, 2 और 3) होते हैं।

वाइल्ड पोलियो वायरस (WPV) टाइप 2 का अंतिम केस वर्ष 1999 में सुर्खियों में आया था और 20 सितंबर 2015 को WHO के ग्लोबल सर्टिफिकेशन कमिशन द्वारा WPV टाइप 2 के वैश्विक उन्मूलन की घोषणा की गई थी। इसलिए अब OPV में टाइप 2 को शामिल करने की कोई ज़रूरत नहीं है।

'ग्लोबल पोलियो इरैडिक्शन एंड इंडगेम स्ट्रैटेजी 2013–18' के अनुसार, दुनिया में OPV का उपयोग करने वाले सभी देश ट्राइवैलेंट से बाईवैलेंट वैक्सीन (जिसमें सिर्फ टाइप 1 और 3 है) को अप्रैल 2016 में स्विच कर जाएँगे। यह विश्व स्तर पर एक समन्वित प्रक्रिया होगी। सभी tOPV स्टॉक को अप्रैल 2016 में दो सप्ताह के भीतर वापस ले कर नष्ट कर दिया जाएगा।

स्विच कब है?

भारत में, राष्ट्रीय स्विच दिवस 25 अप्रैल 2016 को होगा। इस दिन tOPV को पूरी तरह हटाकर उसे bOPV से बदल दिया जाएगा। भविष्य में नियमित टीकाकरण तथा पोलियो अभियानों में bOPV का ही प्रयोग होगा।

स्विच लागू किए जाने के मुख्य चरण

स्विच से पहले

वेस्टेज से बचने के लिए tOPV की आपूर्ति को नियंत्रित करना

वेस्टेज को कम करने के लिए tOPV आपूर्ति को नियंत्रित और संतुलित किया जाएगा ताकि स्विच के समय tOPV का अतिरिक्त स्टॉक न हो।

वैक्सीन निर्माताओं को सरकारी और निजी अस्पतालों में स्विच के दिन यानि 25 अप्रैल 2016 से पहले इसकी आपूर्ति बंद करने को कहा जाएगा।

मौजूदा tOPV स्टॉक की मासिक निगरानी और लेखांकन

tOPV स्टॉक का पता ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम http://poliovaccine.npspindia.org के ज़रिये साप्ताहिक आधार पर कोल्ड चेन प्वाइंट्स को सेशन साइटों से वापस की गई tOPV की सभी वायल का हिसाब रखा जाएगा।

दिए गए bOPV स्टॉक को स्विच से पहले नहीं खोला जाना चाहिए

tOPV और bOPV को कोल्ड चेन में अलग–अलग रखा जाएगा। सीलबंद bOPV स्टॉक को सिर्फ स्विच दिवस यानी 25 अप्रेल 2016 को ही खोला जाएगा।

स्विच के दिन

25 अप्रैल 2016 को भारत में, राष्ट्रीय स्विच दिवस होगा

जिला स्विच टीमों का गठन अधिसूचित स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा किया गया है। उन्हें पुश–एक्सचेंज के लिए एक वाहन दिया जाएगा जिसके द्वारा वे कोल्ड चेन प्वाइंट जाकर bOPV की वैक्सीन पहुँचाएँगे और पुरानी tOPV नष्ट करने के लिए ले लेंगे। एक टीम एक दिन में कई कोल्ड चेन प्वाइंट पर जाकर वैक्सीन का स्विच करेगी। स्विच के दिन यानि 25 अप्रैल 2016 को शेष सभी tOPV को कोल्ड चेन से हटा दिया जाएगा और उन्हें पैक कर उस पर स्पष्ट रूप से 'निपटान के लिए WASTE' लिखकर पैक कर दिया जाएगा। इसके सुरक्षित निपटान के लिए उसे जिला मुख्यालय भेज दिया जाएगा। कोल्ड चेन प्वाइंट पर पहुँचने के बाद, जिला वैक्सीन स्विच टीम :

- शेष बची सभी tOPV को एकत्र करेगी,
- 1–2 माह की अवधि के लिए bOPV देगी,
- कोल्ड चेन बिन्दु पर tOPV नहीं है, इसे प्रमाणित करेगी,
- स्विच से पहले होने वाले आखिरी सत्र के बाद सभी पूर्ण/आंशिक रूप से उपयोग किए गए tOPV वायल की वापसी से संबंधित सभी ए.एन.एम. द्वारा जमा किए गए दस्तावेज़ों के प्रमाणपत्र एकत्र करेगी।

स्विच के बाद

tOPV को पूरी तरह से हटाकर नष्ट कर दिया गया है - इस तथ्य का सत्यापन

डब्ल्यू.एच.ओ.–एन.पी.एस.पी. (WHO-NPSP) के स्वतंत्र स्विच मॉनिटरों द्वारा सभी कोल्ड चेन प्वाइंट्स पर कहीं भी 'tOPV नहीं है', को सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर भौतिक रूप से स्वतंत्र सत्यापन किया जाएगा। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन प्रमाणन समिति (एन.सी.सी.पी.ई.) tOPV को वापस लेने और निपटान संबंधी आंकड़ों को एकत्र कर उसका विश्लेषण करेगी।

9 मई 2016 को, tOPV के संपूर्ण वापसी के सत्यापन के बाद, देश को tOPV मुक्त प्रमाणित किया जाएगा और इस प्रकार स्विच की प्रक्रिया पूरी होगी।

अपनी ज़िम्मेदारियाँ याद रखें

चिकित्सक

स्विच से पहले

- स्विच के विषय में समझें और जानें। 25 अप्रैल 2016 – राष्ट्रीय स्विच दिवस है।
- अपने सभी पैरा–मेडिकल कर्मचारियों को स्विच के बारे में सूचित करें ताकि स्विच के दौरान वे आपका समर्थन कर सकें।
- सुनिश्चित करें कि आपके अस्पताल में tOPV का अतिरिक्त स्टॉक नहीं है अन्यथा वह बेकार हो जाएगा क्योंकि स्विच के दिन यानि 25 अप्रैल 2016 के बाद उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

स्विच के बाद

- स्विच के दिन यानि 25 अप्रैल 2016 के बाद, अपने क्लीनिक से बाकी बचे tOPV को हटा दें। tOPV स्टॉक को एक पैकेट में रखें और उस पर BIOWASTE स्पष्ट रूप से लिख दें।
- tOPV के इस अतिरिक्त स्टॉक को आपको जिला स्वास्थ्य अधिकारी/ मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नष्ट करने के लिए वापस करें।
- अपने क्लीनिक में बाकी बचे tOPV का स्टॉक है या नहीं, की जांच करें।
- याद रखें, स्विच के दिन के बाद tOPV का उपयोग ख़तरनाक हो सकता है और पोलियो उन्मूलन को खतरे में डाल सकता है।

व्यावसायिक निकाय (आई.एम.ए., आई.ए.पी., एफ.ओ.जी.एस.आई. आदि)

स्विच से पहले

- अपने सभी सदस्यों को स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दिए गए tOPV से bOPV स्विच पर आई.ई.सी. सामग्रियों (तथ्य पत्रक, संयुक्त अपीलें और एस.एम.एस.) को प्रसारित करना।
- स्विच के बारे में अपने सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए बार–बार याद कराएँ।

स्विच के बाद

- सुनिश्चित करें कि सिर्फ bOPV का ही इस्तेमाल किया जा रहा है।
- स्विच सत्यापन में सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
- सुनिश्चित करें कि tOPV का उचित निपटान निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में साथ–साथ ही हो।

वैक्सीन निर्माता

स्विच से पहले

- सरकारी और निजी क्षेत्र में स्विच के दिन यानि 25 अप्रैल 2016 से पहले tOPV की आपूर्ति सुनिश्चित करें।
- स्विच के दिन से पहले bOPV की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करें।

स्विच के बाद

- शेष बचे सभी tOPV और स्थिरता कार्यक्रम पर टाइप 2 पोलियो दवाओं समेत नियंत्रण नमूनों और बैचों को सरकार द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों के अनुसार नष्ट करें।
- किसी भी आवश्यक पोलियो वायरस टाइप 2 सामग्री को, यदि उसे नष्ट नहीं किया जा सकता हो, तो आवश्यक अस्पताल को सौंप दें।

मीडिया पेशेवर

स्विच से पहले एवं बाद

- पोलियो उन्मूलन के लिए वैश्विक रणनीति में स्विच रणनीति और उसके महत्व को समझें।
- याद रखें, विश्व पोलियो उन्मूलन के बहुत करीब है और स्विच इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु राज्य स्तर पर स्विच के लिए नियुक्त किए गए प्रवक्ता से संपर्क करें।

25 अप्रैल 2016 से bOPV का उपयोग शुरू करें

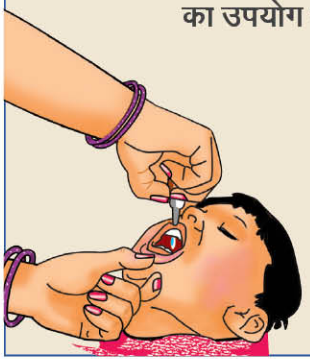

bOPV

महत्वपूर्ण तारीखें

तैयारी » जनवरी-मार्च 2016

1. अंतिम tOPV डिलिवरी प्राप्त करें।
2. ज़रूरत के अनुसार बाकी बचे tOPV स्टॉक का फिर से वितरण करें।
3. प्रशिक्षण सामग्री तैयार करें।

कार्यान्वयन » अप्रैल 2016

1. स्विच मॉनिटर और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें।
2. आस–पास और सेवा केंद्रों पर bOPV का वितरण करें।

राष्ट्रीय स्विच दिवस » 25 अप्रैल 2016

1. tOPV का उपयोग बंद कर दें।
2. कोल्ड चेन से tOPV हटा दें।
3. निपटान के लिए सभी tOPV भेज दें।
4. bOPV का उपयोग शुरू करें।

वैधता » 25 अप्रैल - 9 मई 2016

1. tOPV का पूर्ण निपटान करें।
2. tOPV के निपटान को प्रमाणित करें।

राष्ट्रीय वैधता दिवस » 9 मई 2016

देश के tOPV मुक्त होने की घोषणा

unicef

unite for children

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए यूनिसेफ द्वारा प्रकाशित